B.A. 2nd Semester (General) Examination, 2022

Subject: Hindi (General)

Paper- CC 1 B/ GE-2

MADHYAYUGIN KAVYA

Full Marks: 60 **Time: 3 HRS**

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

iकबीर ग्रंथावली एवं भ्रमरगीत सार के संपादक का नाम बताइए ।

ii)कबीर दास ने माया से क्या तात्पर्य लिया है ?

iii)कबीर दास एवं बिहारीलाल किस काल के कवि हैं ?

iv)तुलसीदास की दो रचनाओं के नाम लिखिए ।

v)बिहारी सतसई में कुल कितने दोहे हैं? बिहारी सतसई के एक टीकाकार का नाम लिखिए ।

vi)'भक्ति काव्य और लोकजीवन' एवं 'त्रिवेणी' किनकी रचनाएं हैं ?

vii)कबीरदास का जन्म और मृत्यु वर्ष लिखिए ।

viii)सूरदास की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए ।

ix)कवितावली के नामकरण का आशय स्पष्ट कीजिए ।

x)बिहारीलाल रचित एक भक्ति परक दोहा लिखिए ।

xi)भ्रमरगीत का तात्पर्य बताइए ।

xii)कबीर दास ने गुरु को क्यों महत्व दिया है ?

xiii)सूरदास किनके शिष्य माने जाते हैं ? 'सूर और उनका साहित्य' किनकी रचना है ?

xiv)" कहत नटत रीझत खिझत मिलत खिलत लजियात " - यह किसकी उक्ति है और किस भाषा में रचित है ?

xv)निंदक नियरे राखिए , आंगन कुटी छवाय - इस अंश के स्रोत और रचयिता का नाम लिखिए ।

(2.) निम्नलिखित में से किन्हीं चार की सन्दर्भ सहित व्याख्या लिखिए :- (04X5=20)

i) **ऊँचे कुल का जनमिया, करनी ऊँची न होय ।**
सुवर्ण कलश सुरा भरा, साधू निंदा होय ।

ii)काहे को गोपीनाथ कहावत?

जो पै मधुकर कहत हमारे गोकुल काहे न आवत?

सपने की पहिचानि जानि कै हमहि कलंक लगावत।

जो पै स्याम कूबरी रीझे सो किन नाम धरावत?

ज्यों गतराज काज के औसर औरे दसन दिखावत।

कहत सुनन को हम हैं ऊधो सूर अनत बिरमावत॥

iii) कुल, करतूति, भूति, कीरति, सुरूप, गुन,
जोबन जरत जुर,* परै न कल कहीं।
राज काज कुपथ कुसाज, भोग रोग ही के,
बेद-बुध बिद्या पाइ बिबश बलकहीं॥
गति तुलसीस की लखै न कोउ जो करत,
पब्बइ तें छार, छारै पब्बइ पलकहीं।
कासों कीजै रोष? दोष दीजै काहि? पाहि राम!
कियो कलिकाल कुलि खलल खलकहीं॥

iv) तंत्री नाद, कबित्त रस, सरस राग, रति-रंग।

अनबूड़े बूड़े, तरे जे बूड़े सब अंग॥

v)झूठे सुख को सुख कहे, मानत है मन मोद ।

खलक चबैना काल का, कुछ मुंह में कुछ गोद ।।

vi)गोकुल सबै गोपाल उपासी।

जोग-अंग साधत जे ऊधो ते सब बसत ईसपुर कासी॥

यद्यपि हरि हम तजि अनाथ करि तदपि रहति चरननि रसरासी।

अपनी सीतलताहि न छाँडत यद्यपि है ससि राहु-गरासी॥

का अपराध जोग लिखि पठवत प्रेम भजन तजि करत उदासी।

सूरदास ऐसी को बिरहिन माँगति मुक्ति तले गुनरासी॥

(3.) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (02X10=20)

i)सूरदास की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए ।

ii)" बिहारी ने अपने दोहों में गागर में सागर भरा है " - इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

iii)कबीर दास की काव्य भाषा पर विचार कीजिए ।

iv)मुक्तक काव्य की विशेषताओं के आधार पर कवितावली की समीक्षा कीजिए ।